तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

वनांचल भूमि

रायपुर, रविवार 25 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

8 ओवरटेकिंग से केशकाल घाट में लगा जाम



8 कुसमा में राजा मेला बना आस्था और सामाजिक ...



खबर संक्षेप

आदिवासी समाज को मजबूत बनाने और युवाओं को संगठित करने का संकल्प



जगदलपुर। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग जिला बस्तर के तत्वावधान में शहर के धरमपुरा स्थित मुरीया सदन में जिला स्तरीय आदिवासी युवा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में समाज के पिछले 1 वर्ष के कार्यों की समीक्षा, सामाजिक गतिविधियों का आकलन और आगामी कार्ययोजना तैयार करने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, सामुदायिक वन संसाधनों, पेसा कानून, आदिवासी संस्कृति, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर युवाओं को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज को मजबूत बनाने के लिए युवाओं को संगठित करना, गांव-गांव तक सामाजिक जागरूकता पहुंचाना और समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करना आवश्यक है। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग जिला बस्तर के जिला अध्यक्ष बसंत कश्यप ने कहा कि समाज को मजबूत बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा के साथ गहन अध्ययन करने की आवश्यकता है।

कोंडागांव में मनाया गया एमएलटी दिवस

फरसगांव/कोंडागांव। जिला मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट संघ कोंडागांव के तत्वावधान में 24 अक्टूबर को एमएलटी दिवस पर काष्ठागार वन परिसर स्थित नीलम हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट के योगदान को सम्मानित करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी, बीएमओ डॉ. हरेंद्र बघेल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। इस दौरान कोरोना महामारी के कठिन दौर को भी याद किया गया, जब लैब टेक्नोलॉजिस्ट ने अपनी जान की परवाह किए बिना कोरोना वॉरियर्स के रूप में लगातार सेवाएं देते हुए मरीजों की जांच और उपचार व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का मौका

कोण्डागांव। जिले के युवाओं को अपनी कला, संस्कृति और रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के उद्देश्य से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन कोण्डागांव स्थित ऑडिटोरियम में प्रस्तावित है। युवा उत्सव में लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन और नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न विधाओं में प्रतिभागी अपना हुनर दिखा सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक युवाओं के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर निर्धारित की गई है। युवा उत्सव में विकसित भारत चैलेंज ट्रैक, लोक नृत्य, लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन, नुक्कड़ नाटक, क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज, पारंपरिक वेशभूषा और रॉक बैंड जैसी विधाओं को शामिल किया गया है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं को अपनी कला और रचनात्मक सोच प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने प्रतिभागियों की आयु सीमा 15 से 29 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं, संगतकारों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई है।



लालबाग में वनोपज से सजी 20,700 वर्गफीट की रंगोली, राष्ट्रपति ने किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

शहर के लालबाग का मैदान का एक बड़ा हिस्सा कैनवास बन चुका था और उसमें वनोपज व अनाज रंग बन चुके थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बस्तर दशहरा के मौके पर बस्तर आगमन पर यह अनोखी और अद्वितीय कलाकृति वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग की ओर से तैयार कराई गई थी। 15 से अधिक वनोपज व अनाज का इस्तेमाल करते हुए 20,700 वर्गफीट क्षेत्रफल में सुंदर आकृतियां उकेरी गई थीं। इसका अवलोकन राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने किया।

वनोपज से रंगोली की विशिष्टता को देखते हुए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से इस अद्भुत रंगोली को प्रमाणित किया गया। इस रंगोली की खासियत वनवासियों द्वारा एकत्र किए गए वनोपज रहे, जिनका इस्तेमाल रंगोली में रंगों के रूप में किया गया था। इस कलात्मक अभिव्यक्ति में बस्तर के वन, वनवासी जीवन, जनजातीय संस्कृति तथा राष्ट्रपति के स्वरूप को उकेरा गया है।

यह विशाल रंगोली बस्तर की प्राकृतिक संपदा, स्थानीय समुदायों की सृजनशीलता और परंपरागत ज्ञान का प्रतीक है। वनोपज बस्तर के जनजातीय एवं वनवासी समुदायों की आजीविका, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है। वनोपज आधारित आजीविका के संवर्धन, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण तथा स्थानीय संसाधनों के सतत उपयोग के माध्यम से क्षेत्र के समावेशी विकास की संभावनाओं को भी इस प्रस्तुति के माध्यम से रेखांकित किया गया।

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने किया प्रमाणित



धरती बनी कैनवास वनोपज बने रंग

मुरिया दरबार, जोगी बिठाई और काछन जात्रा पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

बस्तर की आदिवासी परंपराओं के साथ खिलवाड़ कर रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बस्तर दशहरा की पारंपरिक रस्मों के आयोजन को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। शनिवार को राजीव भवन में पत्रकार वार्ता में शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि सरकार बस्तर की सदियों पुरानी आदिवासी परंपराओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने मुरिया दरबार, जोगी बिठाई, काछनगादीऔर फूल रथ खींचने के दौरान हुई घटनाओं को लेकर सवाल उठाए।

- कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा आदिवासी समाज इस अपमान को माफ नहीं करेगा

उन्होंने कहा कि मुरिया दरबार बस्तर की ऐसी परंपरा है, जहां आदिवासी समुदाय के लोग अपनी समस्याएं राजा के समक्ष रखते थे और उनके निराकरण की पहल की जाती थी। लेकिन इस बार इस महत्वपूर्ण परंपरा के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। समस्याओं को पहले से लिखी हुई ▶▶शेष पेज 8 पर

कांग्रेस ने पत्रकार वार्ता में लगाए आरोप



फूल रथ हादसे को लेकर सरकार पर निशाना

कांग्रेस नेता ने फूल रथ खींचने के दौरान आदिवासियों पर लाठीचार्ज किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि रथ खींचने के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, लेकिन भाजपा के आदिवासी मंत्री और सांसद पीड़ित को देखने तक नहीं पहुंचे। मौर्य ने इसे आदिवासी समाज की घोर उपेक्षा बताते हुए कहा कि सरकार के रवैये से समाज में नाराजगी है। मौर्य ने विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष और विधायक लखेश्वर बघेल को आमंत्रित नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वे आदिवासी समुदाय से आते हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आदिवासी विरोधी रवैया अपना रही है आदिवासी समाज अपनी इस बेइज्जती को माफ नहीं करेगा। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ कांग्रेसी उमाशंकर शुक्ल, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, प्रेमशंकर शुक्ल, अभिषेक नायडू, गौरनाथ नाग, राजेश चौधरी सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे।

काछनदेवी मामले में पनका समाज में नाराजगी



जगदलपुर। राष्ट्रपति के सामने पनका समाज की देवी की जगह प्रतिकात्मक काछन देवी को पेश करने पर पनका समाज में नाराजगी है। मामले में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए काछनगुड़ी के मुख्य पुजारी गणेश दास ने कहा कि जिला प्रशासन ने धोखा किया है, इसकी शिकायत दशहरा समिति व कलेक्टर से की जाएगी। पनका समाज ने कहा कि राष्ट्रपति से पनका समाज मिलना चाहता था। दशहरा का मुख्य रस्म काछनगादी पूजा विधान पनका समाज निभाता है। समाज राष्ट्रपति से मिलना चाहता था, लेकिन नहीं मिलाया गया। प्रशासन ने हमें धोखे में रखा। काछनदेवी के रूप में ▶▶शेष पेज 8 पर

देवी-देवताओं को कुटुंब जात्रा में दी गई विदाई



हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बस्तर दशहरा की कुटुंब जात्रा शनिवार को गंगामुंडा स्थित गुड़ी परिसर में विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। इस दौरान दशहरा में शामिल होने पहुंचे देवी-देवताओं को परंपरानुसार ससम्मान विदाई दी गई। इसके साथ ही 75 दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक उत्सव की रस्में अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई। बस्तर दशहरा की विशिष्ट परंपरा के अनुसार बस्तर संभाग के विभिन्न गांवों सहित पड़ोसी राज्यों से लाए गए देवी-देवताओं के छत्र, डोली और आंगा देव इस उत्सव में शामिल हुए। कुटुंब जात्रा में इन देवी-देवताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया और अगले वर्ष फिर दशहरा में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। इस दौरान महाराजा कमल चंद्र भंजदेव सहित मांझी,चालकी, पुजारी सहित नागरिक मौजूद थे।

- गंगामुंडा गुड़ी में निभाई गई रस्म, अगले वर्ष फिर आने का दिया निमंत्रण



गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने और गौहत्या पर प्रतिबंध की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने, गौमाता के सम्मान और सुरक्षा और पूरे देश में गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर गौ सम्मान आह्वान अभियान के तीसरे चरण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में बस्तर संभाग के सातों जिलों के गौभक्तों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक माहेश्वरी भवन में की गई।

- 17 दिसंबर को रायपुर में जुटेंगे गौभक्त, गौ सम्मान आह्वान अभियान को लेकर बैठक



बैठक में 300 से अधिक गौभक्तों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। गोपालानंद सरस्वती के नेतृत्व में आयोजित बैठक में साधु-संतों की उपस्थिति रही। बैठक में अभियान के तीसरे चरण की तैयारियों, जनसंपर्क और आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में आगामी 17 दिसंबर को रायपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में बस्तर संभाग से बड़ी संख्या में गौभक्तों की सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। इसके लिए जन-जन तक जानकारी पहुंचाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दिया गया।

गौभक्तों ने गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने, देशभर में गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने तथा गौमाता के सम्मान, संरक्षण और सुरक्षा के लिए एकजुट होकर प्रयास करने की शपथ ली। कार्यकर्ताओं ने अभियान के तीसरे चरण को सफल बनाने और अधिक ▶▶शेष पेज 8 पर

माड़पाल और बोदली में सरपंच के लिए होगा उपचुनाव

जगदलपुर। बस्तर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिले के सात जनपद पंचायतों के अंतर्गत आने वाली 21 ग्राम पंचायतों में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 अक्टूबर को निर्धारित केंद्रों पर कर दिया गया है। इस प्रक्रिया के तहत संबंधित क्षेत्रों के पात्र और छूटे हुए नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने, अपात्र अथवा दोहरी प्रविष्टि वाले नामों को हटवाने तथा नाम, आयु या पते में किसी भी प्रकार की त्रुटि के सुधार के लिए निर्धारित प्रपत्र में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर ▶▶शेष पेज 8 पर

20 वर्ष बाद एक परिवार के 10 सदस्यों की मूलधर्म में घर वापसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बस्तर ब्लॉक के भानपुरी क्षेत्र के सोनारपाल में 20 साल से ईसाई धर्म में शामिल एक ही परिवार के 10 सदस्यों ने मूल धर्म में वापसी की। देवी-देवताओं की पूजा के बाद तिलक लगाकर पारम्परिक रीति रिवाज के साथ उनका स्वागत किया गया। इस दौरान महारा समाज के पदाधिकारियों के अलावा नाइक पाइक व समाज प्रमुख व ग्रामीण मौजूद थे।

- महारा समाज के पदाधिकारियों और ग्रामीणों की मौजूदगी में हुई वापसी



जानकारी के मुताबिक भानपुरी आमाबाल परगना क्षेत्र के सोनारपाल गांव में ईसाई धर्म के 10 सदस्यों ने अपने मूल धार्मिक और सांस्कृतिक रीति-रिवाजों में वापसी की। शनिवार को परिवार की मुखिया कुलमन नाग व पत्नी कला बाई नाग के साथ पुत्र भुवनेश्वर नाग पत्नी ज्योति नाग, पुत्र दूधनेश्वर नाग पत्नी मीना नाग, पुत्र रघुनाथ नाग पत्नी हिना नाग एवं परिवार के अन्य सदस्य ने मूल धर्म में वापसी की।

पुनर्वास केन्द्र में मौत पर परिजनों ने की न्यायिक जांच की मांग

समर्पित नक्सली नसुराम की आत्महत्या मामले ने पकड़ा तूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

पुनर्वास केन्द्र बीजापुर में बीते तीन माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुनर्वासित माओवादी नरसू बोड्डु उर्फ नैती के फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। परिजनों ने पत्रवार्ता के दौरान जिला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

- जिला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए

गौरतलब है कि 26 वर्षीय नरसू बोड्डु उर्फ नैती ग्राम कमकानार थाना गंगालूर क्षेत्र का निवासी था, जो पिछले वर्ष 27 फरवरी को बीजापुर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुआ था। बीते 23 जुलाई से वह पुनर्वास केन्द्र बीजापुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा था।

पुनर्वास केंद्र में 21 अक्टूबर को नसुराम की



आत्महत्या की घटना को लेकर मृतक के परिजन प्रेस क्लब पहुंचे और पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराने की मांग की है। परिजनों के मुताबिक नसुराम के आत्मसमर्पण के बाद बीजापुर रक्षित केंद्र में करीब 15 दिन पूछताछ के बाद उन्हें घर भेज दिया गया था। जुलाई 2026 में उन्हें दोबारा बुलाकर शासन की पुनर्वास नीति के तहत 45 दिनों का राजमिस्त्री प्रशिक्षण देने की बात कही गई थी। इसी के तहत वह पुनर्वास केंद्र में प्रशिक्षण ले रहा था। मृतक के भाई सतीश ने आरोप लगाया कि परिवार में दो महिलाओं की मौत और पिता की तबीयत खराब होने के बावजूद नसुराम को घर आने के लिए छुट्टी नहीं मिली। परिवार का कहना है कि वह घर लौटना चाहता था लेकिन अनुमति नहीं मिलने से परेशान था। मृतक की पत्नी लक्ष्मी ने भी पति को छुट्टी नहीं दिए जाने पर सवाल उठाए। परिजनों ने यह भी बताया कि आत्मसमर्पण के समय 25 हजार रुपए मिलने की जानकारी दी ▶▶शेष पेज 8 पर

पुनर्वास केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं वकील बेला भाटिया ने कहा कि पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था वाले पुनर्वास केंद्र में इस तरह की घटना गंभीर चूक का संकेत है। उन्होंने छुट्टी नहीं मिलने और शव उतारने को लेकर सामने आए अलग-अलग बयानों पर सवाल उठाते हुए न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि परिवार अभी यह स्पष्ट नहीं कर पा रहा है कि मामला आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है।

मामले की जांच जारी

नरसू के शव को जोगा और मृतक की बुआ की मौजूदगी में उतारा गया था। उस समय गांव के दो अन्य लोग भी मौजूद थे। प्रशिक्षण केंद्र जिला प्रशासन के अधीन है, जबकि पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराती है। मामले की विधिवत जांच की जा रही है।

-अभिषेक कुमार केसरी,
डीएसपी, बीजापुर

जामुन लट्ठों का अवैध परिवहन करते संदिग्ध ट्रक पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गीदम

वनमंडल दंतेवाड़ा के अंतर्गत वनोपज जांच नाका गीदम में चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध ट्रक सीजी 18 एच 1995 को रोककर जांच की गई। जांच में ट्रक में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे जामुन प्रजाति के 16 नग लट्ठे कुल आयतन 7.877 घन मीटर लदे पाए गए। पूछताछ के दौरान ट्रक में सवार व्यक्तियों द्वारा न तो वनोपज का वैध टी.पी. प्रस्तुत किया जा सका और न ही वृक्ष कटाई की कोई अनुमति थी। दस्तावेज न होने पर वन विभाग ने वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया।

- ट्रक समेत कुल 4.10 लाख का सामान जब्त



मौके से जब्त जामुन लट्ठों का अनुमानित मूल्य 60,584 तथा प्रयुक्त ट्रक का अनुमानित मूल्य 3.50 लाख आंका गया है। इस प्रकार लगभग 4.10 लाख की संपत्ति जब्त की गई है। वन विभाग द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 41, 42 एवं धारा 52, छत्तीसगढ़ अभिवहन वनोपज नियम 2001 के नियम 3 एवं 4(2), तथा वृक्ष कटाई नियम 2022 के नियम 7 के उल्लंघन के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। इन धाराओं के तहत अपराध में प्रयुक्त ट्रक एवं अवैध लट्ठों को जब्त कर लिया गया है। ▶▶शेष पेज 8 पर

खबर संक्षेप



जुआ खेलते पांच आरोपी गिरफ्तार, 1.55 लाख की सामग्री जब्त

केशकाल। कोण्डागांव जिले में जुआ खेलने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए केशकाल के ढोढरापारा में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 20 हजार 400 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल एवं स्कूटी सहित कुल 1 लाख 55 हजार 400 रुपये की सामग्री जब्त की है। मौके से ताश के 52 पत्ते और एक चटाई भी जब्त की गई है। आज 23 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली कि केशकाल के ढोढरापारा स्थित इमरान पारेख की बाड़ी में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए केशकाल थाना पुलिस और कोण्डागांव साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी, जहां जुआ खेल रहे पांच लोगों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद साहिद पिता अब्दुल करीम, मोहम्मद इकबाल पिता मोहम्मद इस्माईल, मोहम्मद इमरान पारेख पिता मोहम्मद मुसा भाई पारेख, मोहम्मद साजिद पिता शेख इस्माईल तथा नवीन शोरी पिता नक्षणा शोरी शामिल हैं। सभी आरोपी केशकाल क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। उनके कब्जे से 20,400 रुपये नकद, पांच मोबाइल फोन, बाइक, स्कूटी जब्त की गई है। आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम, 2022 की धारा 4 के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।

बिहान योजना से ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को मिल रहा बढ़ावा

कोण्डागांव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत कोण्डागांव जिले में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कृषि, मुर्गीपालन और खाद–बीज से संबंधित व्यवसायों को बढ़ावा देकर कृषि सखी एवं पशु सखी के लिए आय के नए अवसर विकसित किए जा रहे हैं। इस पहल से ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ने के साथ स्थानीय कृषि आधारित उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। बिहान योजना के तहत ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर कृषि एवं पशुपालन आधारित गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इसके लिए एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर आईएफसी और उत्पादक समूहों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए साधन विकसित किए जा रहे हैं। इससे महिलाओं को आय के विभिन्न स्रोत उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।



ओवरटेकिंग से केशकाल घाट में लगा जाम, घंटों रेंगते रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

बस्तर की जीवनरेखा माने जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के केशकाल घाट में शनिवार शाम 7 बजे ओवरटेकिंग के कारण यातायात बाधित हो गया। घाट के घुमावदार और संकरे मार्ग पर आगे निकलने की होड़ के चलते वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और जाम की स्थिति निर्मित हो गई। इससे वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ओवरटेकिंग की होड़ से बढ़ती है परेशानी

घाट मार्ग पर भारी वाहनों, यात्री बसों, मालवाहक वाहनों और छोटे वाहनों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। ऐसे में यदि कोई वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए आगे निकलने का प्रयास करता है, तो पीछे से आने वाले वाहनों की गति भी प्रभावित होती है। संकरे मार्ग और घुमावदार मोड़ों पर इस तरह की जल्दबाजी जाम की स्थिति को और गंभीर बना सकती है। केशकाल घाट में लगने वाला जाम केवल वाहन चालकों की परेशानी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर आम यात्रियों, व्यापारिक गतिविधियों और आपातकालीन सेवाओं पर भी पड़ सकता है। विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को अनावश्यक देरी का सामना करना पड़ता है।

यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल



यातायात नियमों का पालन करना जरूरी

केशकाल घाट में यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए वाहन चालकों को धैर्य के साथ वाहन चलाने और निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने की आवश्यकता है। घाट के संकरे हिस्सों और घुमावदार मोड़ों पर ओवरटेकिंग से बचना चाहिए। वहीं, यातायात पुलिस की सतर्कता और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर निगरानी से भी ऐसी परिस्थितियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। केशकाल घाट बस्तर संभाग को प्रदेश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। इसलिए यहां यातायात व्यवस्था बनाए रखना बेहद जरूरी है। वाहन चालकों की थोड़ी सी सावधानी न केवल जाम की समस्या को कम कर सकती है, बल्कि संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में भी अहम भूमिका निभा सकती है।

केशकाल घाट अपनी भौगोलिक स्थिति, तीखे मोड़ों और ढलान के कारण पहले से ही संवेदनशील मार्ग माना जाता है। यहां वाहन चलाते समय थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसके बावजूद कुछ वाहन चालक जल्दबाजी में दूसरे वाहनों को ओवरटेक करने का प्रयास करते हैं। ऐसी स्थिति में सड़क पर वाहनों की कतार लगने के साथ ही यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

राजा गुरु बालकदास साहेब के एकादशीय राज्याभिषेक पर आयोजन

कुसमा में राजा मेला बना आस्था और सामाजिक एकता का महाकुंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

ग्राम कुसमा में राजा गुरु बालकदास साहेब जी के एकादशीय राज्याभिषेक के उपलक्ष्य में आयोजित राजा मेला आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का महाकुंभ बन गया। 100 गवां सतनामी समाज स्थापना एवं गुरुद्वारा धर्मसभा संसद के तत्वावधान में 22 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम में 137 गांवों से हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे आयोजन में भक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण रहा। देर रात तक सतनाम भजनों की गूंज से मेला स्थल भक्तिमय बना रहा।

राजा मेला का शुभारंभ जैतखाम एवं गुरुद्वारा गुरुगद्दी राजा मेला स्थल में विधिवत पूजा–अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वनमंडलाधिकारी के.के. खेलवारे रहे। अध्यक्षता धर्मचेला एवं प्रधान संयोजक लखमूराम टंडन ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विभिन्न गांवों के समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि केके खेलवारे ने कहा कि गुरु बालकदास बाबाजी ने समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से अठगवां की स्थापना की थी। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए सौ गवां सतनामी समाज की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि समाज की एकजुटता से सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास को नई दिशा मिल सकती है। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

प्रधान संयोजक लखमूराम टंडन ने कहा कि गुरु घासीदास बाबा के सतनाम धर्म, संस्कृति और परंपराओं को संजोकर रखना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बलिदानी राजा गुरु बालकदास साहेब के सपनों को साकार करने और उनके राज्याभिषेक के ऐतिहासिक क्षण की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से राजा मेला का आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज की संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं के संरक्षण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं। साथ ही अच्छे आचरण, सामाजिक सद्भाव, भाईचारे और एकता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

137 गांवों से पहुंचे हजारों समाजजन



देर रात तक गूंजे सतनाम भजन

राजा मेला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। तेलासीपुरी, रायपुर के प्रसिद्ध सतनाम भजन गायक यशवंत सतनामी ने भजन एवं चिन्हारी की प्रस्तुति दी। सतनाम भजनों की मधुर धुनों से पूरा मेला स्थल भक्तिमय हो उठा। बड़ी संख्या में उपस्थित समाजजनों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम में मेला समिति के अध्यक्ष सुरेश बघेल, कार्यक्रम प्रभारी धंसराज टंडन, एम.आर. आदिले, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम सिंह नाग, जिला पंचायत सदस्य रामदाई नाग, दंतेवाड़ा जिलाध्यक्ष दीपक आदिले, कांकेर जिलाध्यक्ष दानेश्वर बंजारे, बस्तर जिलाध्यक्ष संतु बांधे और नारायणपुर जिलाध्यक्ष विनोद डहरिया सहित विभिन्न जिलों के समाज प्रमुख उपस्थित रहे।

बोलेरो पेड़ से टकराई, सेना के जवान की मौत, छह घायल, एक की हालत गंभीर



हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

थाना क्षेत्र के गट्टीपलना मोड़ पर शुक्रवार रात करीब 10 बजे तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में सेना के जवान सुंदरलाल नेताम 31 की मौत हो गई, जबकि सेना का एक अन्य जवान मनीष नेताम गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना में पांच अन्य लोग भी घायल हुए हैं। दो घायलों को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।



जानकारी के अनुसार, ग्राम पल्ली निवासी सात लोग बोलेरो में सवार होकर दशहरा के अवसर पर आयोजित रात्रिकालीन कार्यक्रम देखने निकले थे। ग्राम बरकई में कार्यक्रम नहीं होने पर वे पांडेआठगांव जा रहे थे। इसी दौरान गट्टीपलना-चोंगीभर्री मोड़ पर बोलेरो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई।

हादसे की सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों ने पुलिस की मदद से सभी घायलों को फरसगांव अस्पताल पहुंचाया। गंभीर घायल मनीष नेताम निवासी मालाकोट और दिनेश नेताम निवासी पल्ली को जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, नंदलाल नेताम, सुनेश मरकाम, तेजलाल नेताम और परदेशी कोर्राम का उपचार फरसगांव अस्पताल में जारी है। मृतक जवान सुंदरलाल नेताम ग्राम पल्ली के डोंगरीपारा का निवासी था और वर्तमान में केरल में पदस्थ था। उसकी शादी करीब चार साल पहले हुई थी। उसकी कोई संतान नहीं थी। जवान की असमय मौत से परिवार में शोक की लहर है। फरसगांव पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

पीएमश्री सेजस स्कूल में स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

पीएम श्री सेजस हिंदी माध्यम, केशकाल में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आयुर्वेदिक औषधालय, अढेंगा के चिकित्सक डॉ. जाधव उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न बीमारियों से बचाव, आयुर्वेदिक घरेलू नुस्खों तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

डॉ. जाधव ने बताया कि विद्यार्थी जीवन में स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित दिनचर्या, पर्याप्त नींद और शारीरिक गतिविधियों को अपनाकर अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के महत्व को समझाते हुए बताया कि किस प्रकार



अच्छी आदतें शरीर को रोगों से लड़ने में सहायता करती हैं।

इस अवसर पर प्राचार्य चेतन लाल मंडावी, शिक्षिका संगीता भास्कर सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास तथा स्वस्थ जीवनशैली के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया।

डॉ. जाधव का उद्बोधन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक रहा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना तथा रोगों से बचाव के लिए अच्छी आदतों को अपनाने हेतु प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि स्वच्छता अपनाएँ, स्वस्थ रहें और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएँ।

बस्तर दशहरा के बाहर रैनी पर छात्रों को नहीं मिला अवकाश



कोण्डागांव। बस्तर दशहरा लगभग 75 दिनों तक चलने वाला अनूठा पर्व है। इस पर्व के अंतिम एवं प्रमुख आयोजनों में शामिल बाहिर रैनी का विशेष धार्मिक, सांस्कृतिक महत्व है। लेकिन इस वर्ष बाहिर रैनी पर शासन के शिक्षा विभाग द्वारा अवकाश नहीं दिए जाने को लेकर बस्तर संभाग के विद्यार्थियों, पालकों और शिक्षा विभाग से जुड़े कर्मचारियों में निराशा देखी जा रही है। बस्तर दशहरा देश के अन्य स्थानों पर मनाए जाने वाले दशहरा पर्व से बिल्कुल अलग है। यहां रावण दहन के बजाय मां दंतेश्वरी की आराधना, आदिवासी रीति–रिवाजों, पारंपरिक रस्मों और सदियों पुरानी परंपराओं के साथ यह पर्व मनाया जाता है। बस्तर दशहरा का आकर्षण केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं है। इस अनूठे पर्व को देखने के लिए भारत के विभिन्न राज्यों के साथ–साथ विदेशों से भी पर्यटक और संस्कृति प्रेमी बस्तर पहुंचते हैं। बाहिर रैनी के अवसर पर जगदलपुर में श्रद्धालुओं और दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ती है। शहर की चहल–पहल और जनसमूह को देखते हुए यह दिन स्थानीय स्तर पर वर्ष के सबसे व्यस्त दिनों में से एक माना जाता है।

बस्तर ओलंपिक की तैयारियां तेज, 2 से 5 नवंबर तक होगी ब्लॉक स्तरीय स्पर्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

बस्तर ओलंपिक 2026 के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं 2 से 5 नवंबर तक आयोजित की जाएंगी, जबकि जिला स्तरीय प्रतियोगिता नवंबर के दूसरे सप्ताह में होगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित की गई है। आयोजन की तैयारियों को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अविनाश भोई की अध्यक्षता में जिले के समस्त व्यायाम अनुदेशकों की बैठक आयोजित की गई।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित बैठक में सीईओ अविनाश भोई ने व्यायाम अनुदेशकों को अधिक से अधिक खिलाड़ियों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखंड एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं के व्यवस्थित आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां करने पर जोर दिया।

बस्तर ओलंपिक के अंतर्गत जिले में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं 2 से 5 नवंबर के



बीच आयोजित की जाएंगी। इसके बाद नवंबर के दूसरे सप्ताह में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बैठक में

खिलाड़ियों के पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक

प्रतियोगिताओं की रूपरेखा और आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई।

बस्तर ओलंपिक 2026 में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। जिला प्रशासन ने खिलाड़ियों से निर्धारित समय–सीमा के भीतर पंजीयन कराकर प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में व्यक्तिगत खेलों के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 2,000 रुपए, द्वितीय स्थान पर 1,500 रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 1,000 रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। दलीय खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 4,000 रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 3,000 रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 2,000 रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

विजेताओं को ट्रॉफी और मेरिट प्रमाण पत्र – प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार के साथ मेरिट प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

पेज सात के शेष

बस्तर की आदिवासी ...

सक्रिप्ट के तौर पर पढ़ा गया और मुरिया दरबार महज कुछ मिनटों में समाप्त कर दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इससे इस ऐतिहासिक परंपरा की मूल भावना प्रभावित हुई है।उन्होंने जोगी बिठाई रस्म को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि परंपरा का निर्वहन ठीक से नहीं होने दिया गया और सफाई के नाम पर निर्धारित समय से पहले ही जोगी को उठा दिया गया। वहीं, काछन देवी की भूमिका निभाने वाली लड़की और उसके परिजनों को राष्ट्रपति से मिलने नहीं देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने दावा किया कि उनके स्थान पर दूसरी लड़की को काछन देवी के रूप में प्रस्तुत किया गया।

काछनदेवी मामले में...

समाज की कुंवारी कन्या को देवी स्वरूप बैठाकर राजा दशहरा निर्विघ्न मनाने की अनुमति मांगते हैं, लेकिन राष्ट्रपति से मिलने के दौरान काछनदेवी की जगह किसी अन्य को मिलाया गया और हमारे समुदाय के लोगों को हटा दिया गया, जिसका हम विरोध करते हैं। हम महाराजा, तहसीलदार व कलेक्टर से इस मामले में जवाब मागेंगे। वहीं काछनदेवी बनी पीहू दास ने भी इस पर विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि राष्ट्रपति से मिलना चाहते थे, लेकिन मौका नहीं दिया गया।

गौमाता को राष्ट्रमाता ...

से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का संकल्प दोहराया। अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने गौमाता के सम्मान को राष्ट्र के सम्मान से जोड़ते हुए इस मांग को व्यापक जनसमर्थन दिलाने का आह्वान किया। बैठक में आगामी कार्यक्रम की तैयारियों को गति देने और बस्तर संभाग से अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर सहमति बनी।

माड़पाल और बोदली में ...

तक तय की गई है। जिले में विभिन्न रिक्त पदों के लिए यह प्रक्रिया संचालित की जा रही है, जिसमें 21 पद शामिल हैं। जगदलपुर विकासखण्ड की ग्राम पंचायत माड़पाल में सरपंच पद शामिल है। इसी प्रकार बस्तर विकासखण्ड के अंतर्गत तथा नवा रतेंगा, सितलावण्ड, मुरकुची, कुम्हली एवं भोण्ड में पंच के 5 पद रिक्त हैं। बकावण्ड विकासखण्ड में चारगांव, गारेंगा और कोहकापाल, छोटे देवड़ा, नलपावण्ड, तारापुर व पोलेबेड़ा में पंच के 7 पद रिक्त हैं। लोहण्डीगुड़ा विकासखण्ड के मारीकोडेर तथा अलनार और तारागांव पंचायतों में पंच के कुल 3 पद शामिल हैं, वहीं बोदली ग्राम पंचायत में सरपंच पद का पद रिक्त है। इसके अलावा तोकापाल के केशलूर में पंच का पद रिक्त है। बास्तानार विकास खंड के जूनाटप्पा बड़े किलेपाल-3 तथा बड़े किलेपाल-1 में एक-एक पंच पद तथा दरभा विकासखण्ड के कामानार में 1 पंच पद के लिए नामावली प्रकाशित की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे समय-सीमा के भीतर प्रारंभिक मतदाता सूची का अवलोकन कर आवश्यकतानुसार अपने दावे व आपत्तियां अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं, ताकि त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार की जा सके।

समर्पित नक्सली ...

गई थी और बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता खुलवाया गया था, लेकिन उनके अनुसार अब तक खाते में कोई राशि नहीं भेजी गई। परिवार ने शव को नीचे उतारने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि परिवार को मौके पर मौजूद रहने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने मामले में शिकायत और एफआईआर कराने की बात कही।

जामुन लट्ठों का अवैध...

विभाग द्वारा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा को मामले की सूचना प्रेषित कर जब्त वाहन एवं लकड़ी को राजसात करने की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। गौरतलब है कि वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण पाण्डेय, मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्टायलो मंडावी तथा वनमंडलाधिकारी रंगनाथा रामकृष्णा वाय के निर्देशन में वन संपदा के अवैध मामलें में लगातार कार्रवाई की जा रही है।



खबर संक्षेप

20 बालिकाओं ने किया शासकीय कार्यालयों का भ्रमण



दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार 22 अक्टूबर को 'बिटिया @ वर्क' अभियान के अंतर्गत बालगृह बालिका, टुमॉरोज फाउंडेशन संस्था में निवासरत 20 बालिकाओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं संस्थानों का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शासकीय कार्यप्रणाली से परिचित कराना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना तथा उन्हें शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के प्रारंभ में महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तनुजा बेलसरिया एवं डिप्टी कलेक्टर चंचल पैकरा ने बालिकाओं के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में प्राप्त अवसरों, चुनौतियों और सफलता के अनुभवों के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा के महत्व, आत्मविश्वास, लक्ष्य निर्धारण एवं आत्मनिर्भरता के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने बालिकाओं को जीवन में अपने लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। इसके पश्चात जिला मिशन समन्वयक सरिता देशमुख ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी।

युवा मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे नाम

बीजापुर। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार आयोग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 1 जनवरी के संदर्भ में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण संबंधी कार्यक्रम की घोषणा कर दी गयी है। इस हेतु आयोग द्वारा निर्धारित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण जारी किया गया है। फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अन्तर्गत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवम्बर को किया जावेगा। प्रकाशन उपरांत 12 नवम्बर से 11 दिसम्बर तक मतदाताओं से दावा प्राप्त किया जावेगा। उक्त तिथि के दौरान को बूथ लेवल अधिकारियों एवं अविहित अधिकारियों 6,7,8 के साथ मतदान केन्द्रों में उपस्थित रहेगें। प्राप्त दावा/आपत्तियों का निराकरण 28 दिसम्बर तक किया जाना है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी को किया जाएगा। जो कि ऐसे मतदाता जिनकी उम्र 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूर्ण होगी तथा ऐसे भारतीय नागरिक जिनका नाम अभी तक किसी कारणवश मतदाता सूची में नहीं जुड़ पाया है।

दिवाली से पहले शासन की सौगात

नगर सैनिकों के मानदेय में वृद्धि

लीलाधर राठी ▶▶| सुकमा

छत्तीसगढ़ में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अग्निशमन सेवाओं और आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करने वाले नगर सैनिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। नगर सैनिकों के मानदेय में बढ़ोतरी

■ दैनिक मानदेय और डीए सहित नई दरें स्वीकृत

से संबंधित लंबे समय से उठ रहे मुद्दे के बीच छत्तीसगढ़ शासन के गृह विभाग ने 15 अक्टूबर को आदेश जारी कर पदवार दैनिक मानदेय, महंगाई भत्ता (डीए) और वर्दी धुलाई भत्ते की नई दरों को स्वीकृति प्रदान की है। शासन के इस निर्णय से प्रदेशभर के नगर सैनिकों को आर्थिक लाभ मिलने का रास्ता साफ हुआ है। हरिभूमि ने पूर्व में नगर सैनिकों के मानदेय और उनकी सेवा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। ऐसे में इस आदेश को नगर सैनिकों के लिए महत्वपूर्ण राहत के रूप में देखा जा रहा है।

खबर का असर

गृह विभाग ने जारी किया आदेश

छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी आदेश में नगर सैनिकों के लिए दैनिक मानदेय की पदवार दरें निर्धारित की गई हैं। आदेश के अनुसार सैनिक को प्रतिदिन 650 रुपये मानदेय और 377 रुपये डीए सहित कुल 1029 रुपये मिलेंगे। इसी तरह लांस नायक को 1038 रुपये, नायक को 1048 रुपये और हवलदार को 1057 रुपये प्रतिदिन की दर स्वीकृत की गई है। कंपनी क्वार्टर मास्टर और कंपनी हवलदार मेजर के लिए कुल दैनिक राशि 1067 रुपये निर्धारित है।

वहीं हवलदार मेजर के लिए 1091 रुपये तथा हवलदार क्वार्टर मास्टर के लिए 1114 रुपये प्रतिदिन की दर तय की गई है। इन दरों में दैनिक मानदेय, डीए और वर्दी धुलाई भत्ता शामिल हैं।

अब प्रतिदिन मिलेंगे 1029 से 1114 रुपये


सुरक्षा व्यवस्था के साथ अन्य शासकीय दायित्वों को निभा रहे
नगर सैनिकों को पुलिस कर्मियों के समान वेतन का था आदेश

हरिभूमि ने पहले उठाया था मानदेय का मुद्दा

नगर सैनिकों के मानदेय और सेवा संबंधी मांगों को हरिभूमि ने पहले भी प्रमुखता से प्रकाशित किया था। 6 जुलाई को प्रकाशित खबर में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद पुलिस आरक्षकों के समान वेतन-भत्ते का लाभ मिलने से जुड़े मुद्दे और शासन स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की स्थिति को सामने रखा गया था। खबर में यह सवाल भी उठाया गया था कि कानून-व्यवस्था से लेकर आपदा प्रबंधन तक की जिम्मेदारियां निभाने वाले नगर सैनिकों को उनकी सेवाओं के अनुरूप आर्थिक लाभ कब मिलेगा।

अब गृह विभाग का आदेश जारी होने के बाद मानदेय में स्वीकृत वृद्धि को लेकर नगर सैनिकों में उम्मीद बढ़ी है। हालांकि दैनिक दरों की इस स्वीकृति और पुलिस आरक्षकों के समान वेतन सहित अन्य सेवा लाभों से जुड़ी मांगों को अलग-अलग समझना जरूरी है।

सैनिक से हवलदार क्वार्टर मास्टर तक नई दरें

शासन के आदेश में पद के अनुसार अलग-अलग दरों को मंजूरी दी गई है। इससे नगर सैनिकों को अपने पद के अनुरूप स्वीकृत दैनिक भुगतान का लाभ मिलेगा। आदेश में वर्दी धुलाई भत्ते के लिए 60 रुपये प्रतिमाह की दर से दो वर्दियों का उल्लेख किया गया है। मानदेय और डीए की दरें अलग-अलग दर्शाई गई हैं, जबकि अंतिम कॉलम में कुल दैनिक राशि दी गई है। आदेश में यह भी उल्लेख है कि वित्त विभाग की फाइल क्रमांक **E**415735 तथा **FINACC**-38029/1046/2026-**FINANCE**, दिनांक 13 अक्टूबर 2026 को दी गई सहमति के आधार पर स्वीकृति जारी की गई है।

पहले 19500 रुपये, अब वास्तविक भुगतान पर नजर

नगर सैनिकों को पहले 19500 रुपये प्रतिमाह मिलने की जानकारी के आधार पर नई दरों से उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, आदेश में भुगतान दैनिक दर के आधार पर निर्धारित किया गया है। इसलिए वास्तविक मासिक राशि ड्यूटी के दिनों, लागू नियमों और अन्य पात्रताओं के अनुसार तय होगी। 1029 रुपये की दैनिक दर को 30 दिनों से गुणा करने पर 30870 रुपये की राशि बनती है, लेकिन इसे सभी नगर सैनिकों का निश्चित मासिक भुगतान मानने से पहले ड्यूटी दिवस और भुगतान संबंधी नियमों की पुष्टि आवश्यक है।

आर्थिक राहत के साथ लंबित मांगों पर भी उम्मीद

नगर सैनिक पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने, महत्वपूर्ण आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था संभालने, आगजनी की घटनाओं में सहायता देने तथा बाढ़ आपदा के समय राहत कार्यों में अहम भूमिका निभाते हैं। कठिन परिस्थितियों में जिम्मेदारी निभाने वाले इन जवानों के लिए मानदेय में स्वीकृत वृद्धि आर्थिक राहत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब नगर सैनिकों की नजरें इस बात पर रहेंगी कि नई दरें किस तारीख से प्रभावी होंगी, भुगतान कब से शुरू होगा और उन्हें वास्तविक रूप से कितनी मासिक राशि प्राप्त होगी। साथ ही समान वेतन और अन्य सेवा लाभों से जुड़ी मांगों पर भी शासन की स्पष्ट स्थिति का इंतजार रहेगा। हरिभूमि द्वारा पहले उठाए गए सवालों के बीच गृह विभाग का यह आदेश नगर सैनिकों के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उम्मीद है कि शासन नई दरों के क्रियान्वयन के साथ नगर सैनिकों की शेष मांगों पर भी स्पष्ट निर्णय लेकर उन्हें उनकी सेवाओं के अनुरूप आर्थिक सुरक्षा और सम्मान प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति को बस्तर की कलाकृति भेंट



हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक अवसर पर बस्तर जिले में आयोजित मुरिया दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में दंतेवाड़ा जिले की बिहान दीदी रामबती पोड़ियाम ने जिले का मान बढ़ाया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ी विकासखंड गीदम के ग्राम

■ बिहान दीदी रामबती पोड़ियाम ने बढ़ाया जिले का मान

झोड़ियाबाड़म निवासी रामबती पोड़ियाम ने जिला दंतेवाड़ा की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बेल मेटल से निर्मित बस्तर कला की आकर्षक कलाकृति उपहार स्वरूप भेंट की। यह अवसर जिले की ग्रामीण महिलाओं की प्रतिभा, मेहनत और आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का प्रतीक बना।

रामबती पोड़ियाम पिछले छह वर्षों से बिहान योजना से निरंतर जुड़कर आजीविका संवर्धन की दिशा में कार्य कर रही हैं। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से वे छिंद के पत्तों से आकर्षक गुलदस्ते, राखियां, मालाएं और विभिन्न कलाकृतियों का निर्माण कर रही हैं। अपनी मेहनत, रचनात्मकता और लगन के बल पर उन्होंने पिछले छह वर्षों में इन उत्पादों के विक्रय से लगभग 35 लाख रुपये की आय अर्जित की है।

राष्ट्रपति को बस्तर कला की कलाकृति भेंट किया जाना जिले की पारंपरिक कला और ग्रामीण महिलाओं के हुनर को पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर है। रामबती दीदी की इस उपलब्धि ने स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और पारंपरिक शिल्प के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण की संभावनाओं को उजागर किया है। रामबती पोड़ियाम की सफलता ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। उनकी उपलब्धि दर्शाती है कि शासन की योजनाओं, उचित मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम से महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने जिले को गौरवान्वित कर सकती हैं।

ग्रामीणों को बैंकिंग योजनाओं की मिली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने और केंद्र सरकार की वित्तीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत मुरतोंडा में वित्तीय समावेशन संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन सुकमा के सहयोग से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न बैंकिंग सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में भारतीय स्टेट बैंक, शाखा सुकमा के शाखा प्रबंधक सुशांत वर्मा तथा अग्रणी जिला प्रबंधक मनीष कुमार कुशरो उपस्थित रहे। शिविर के दौरान ग्रामीणों की बैंकिंग संबंधी समस्याओं के निराकरण और पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

■ पीएम आवास हितग्राहियों के डीबीटी से लेकर बीमा और किसान क्रेडिट कार्ड तक की सुविधाओं पर रहा जोर



बैंकिंग प्रक्रियाओं की जानकारी जरूरी

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से बैंक खातों में राशि प्राप्त करने से संबंधित सुविधाओं और समस्याओं के समाधान पर ध्यान दिया गया। ग्रामीणों को बताया गया कि सरकारी योजनाओं की राशि समय पर प्राप्त करने के लिए बैंक खाते की स्थिति और आवश्यक बैंकिंग प्रक्रियाओं की जानकारी रखना जरूरी है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में जानकारी देकर पात्र ग्रामीणों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

नागरिकों को किया जागरूक

शिविर में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत नामांकन के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' अभियान के तहत दावा नहीं की गई वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में भी जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि लोग अपनी पात्रता के अनुसार संबंधित वित्तीय राशि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। वित्तीय सेवा विभाग का यह अभियान 21 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रत्येक ग्राम पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय तक शिविरों के माध्यम से पहुंच बनाकर पात्र हितग्राहियों को बैंकिंग सेवाओं एवं वित्तीय समावेशन योजनाओं से जोड़ना है।

समाधान के लिए जागरूक करना प्राथमिकता

सुशांत वर्मा शाखा प्रबंधक ने कहा कि वित्तीय समावेशन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं और शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ना है। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं की सही जानकारी देकर उन्हें लाभ दिलाने तथा बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए जागरूक करना हमारी प्राथमिकता है। जिला प्रशासन और बैंकों के संयुक्त प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने तथा शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारों को मिला प्रोत्साहन



हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने तथा शैक्षणिक नवाचारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यालयों में बेहतर शिक्षण पद्धतियों को अपनाने, विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को पहचान दी गई। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर एवं जिला परियोजना समन्वयक हरीश गौतम ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रयासों की सराहना की। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में सुनीता अजित, बलराम रेड्डी, शिवकुमार गुप्ता, कीर्तिला कोठारी, पुष्पा ध्रुव, नीता साहू और माधुरी उके शामिल रहे। इस अवसर पर विनोबा टीम के अभिषेक त्रिपाठी एवं राहुल भी उपस्थित रहे।

आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम शिक्षकों को अपने शैक्षणिक अनुभव साझा करने, प्रभावी शिक्षण विधियों और नवाचारों को अपनाने तथा आपसी सहयोग से शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करना, विद्यालयों में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण विकसित करना और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार लाना है। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों की सक्रिय भूमिका और नवाचारपूर्ण प्रयास महत्वपूर्ण हैं। उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान न केवल उनके समर्पण और मेहनत को पहचान देता है, बल्कि अन्य शिक्षकों को भी बेहतर शिक्षण कार्य के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार की पहल से जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रयासों को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद है।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का संकल्प, निकाली वोट बचाओ देश बचाओ रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

लोकतंत्र की रक्षा, संविधान के सम्मान और मताधिकार की सुरक्षा के लिए कांग्रेस ने संकल्प दोहराया। ब्लॉक कांग्रेस प्रभारी की उपस्थिति एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अनिल कर्मा की अध्यक्षता में वोट बचाओ - देश बचाओ अभियान के तहत रैली निकालकर अनुविभागीय दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने एकजुट होकर लोकतंत्र की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा के लिए आवाज बुलंद की। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए जनता के वोट की ताकत और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संदेश दिया। कांग्रेस पार्टी का मानना है कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है। प्रत्येक नागरिक का वोट देश के भविष्य को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए मतदाता सूची की पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव और मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर कांग्रेस जनता के अधिकारों की आवाज बनकर मैदान में उतरी है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, सरपंच सोभि पोयाम, सोना कश्यप, पूजा जैन, स्नेहा पिल्लै, जिला महामंत्री रविश सुराना, जिला सचिव रजत दहिया, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुनील, सेक्टर अध्यक्ष नरेंद्र सुराना, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष आसिफ रजा, मीडिया प्रभारी ऋषभ सुराना, हर्ष लोढ़ा, मड्डाराम वेक, लखमू राम, संगीत यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेसजनों ने संकल्प दोहराया कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। गीदम की धरती से संदेश दिया गया कि लोकतंत्र की मजबूती जनता की भागीदारी, निष्पक्ष चुनाव और हर वोट के सम्मान में निहित है।



फसल नुकसान का सर्वे कर किसानों को दें मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

जिले में धान की फसल प्रभावित होने की आशंका के बीच किसानों की समस्याओं को लेकर बस्तरिया राज मोर्चा ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम ने सुकमा, कोंटा और छिंदगढ़ तीनों ब्लॉकों में धान सहित अन्य फसलों की स्थिति का तत्काल सर्वे कराने तथा नुकसान से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि समय पर राहत नहीं मिलने से पहले से ही आर्थिक दबाव झेल रहे किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

■ धान की फसल प्रभावित होने से किसानों की बढ़ी चिंता

कर्ज के बोझ तले दबे अन्नदाताओं को राहत देने की मांग



सीधा असर किसानों की आय पर

मोर्चा संयोजक मनीष कुंजाम ने कहा कि किसान देश के अन्नदाता हैं और उनकी आजीविका मुख्य रूप से खेती पर निर्भर है। इसके बावजूद खेती-किसानी आज भी मौसम की अनिश्चितताओं के बीच जोखिम भरा काम बनी हुई है। सुकमा जिले में समय पर बारिश नहीं होने से धान की फसल की बढ़वार प्रभावित होने और बालियों में समय पर फूल नहीं आने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि फसल की स्थिति में समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो उत्पादन में गिरावट आने की आशंका है। इसका सीधा असर किसानों की आय और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है।

तीनों ब्लॉकों में सर्वे कराने की मांग

बस्तरिया राज मोर्चा ने जिला प्रशासन के सामने प्रमुख रूप से दो मांगें रखी हैं। पहली, सुकमा जिले के सुकमा, कोंटा और छिंदगढ़ ब्लॉकों में धान सहित अन्य प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराया जाए। दूसरी, सर्वे के दौरान फसल नुकसान का निष्पक्ष आकलन कर पात्र प्रभावित किसानों को नियमानुसार जल्द मुआवजा दिया जाए। मनीष कुंजाम ने कहा कि सर्वे की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रभावित किसान का नाम छूटने न पाए। खेतों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर नुकसान के अनुरूप राहत सुनिश्चित की जानी चाहिए। मोर्चा संयोजक ने किसानों को आर्थिक राहत देने के साथ उनके कर्ज का बोझ कम करने की मांग भी उठाई है। उन्होंने कहा कि फसल प्रभावित होने से किसानों की आय पर संकट आता है, जबकि कर्ज और खेती की लागत का दबाव बना रहता है, ऐसी परिस्थिति में शासन को किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कर्जमाफी की मांग पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए।

खेती पर निर्भर परिवारों के सामने आर्थिक संकट की आशंका

मोर्चा संयोजक ने कहा कि जिले के अनेक किसान खरीफ सीजन में खेती करने के लिए कर्ज लेते हैं। खाद, बीज, कृषि कार्यों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर खर्च करने के बाद किसानों को उम्मीद रहती है कि धान की अच्छी पैदावार से उनकी लागत निकलेगी और परिवार की जरूरतें पूरी होंगी। लेकिन फसल प्रभावित होने की स्थिति में किसानों के सामने कर्ज चुकाने और आगामी कृषि कार्यों के लिए धन जुटाने का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों की परेशानी को केवल कृषि उत्पादन में संभावित कमी तक सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। फसल खराब होने का असर पूरे ग्रामीण अर्थतंत्र पर पड़ता है। किसानों की आमदनी घटने से घरेलू खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह समय रहते जमीनी स्थिति का आकलन करे और जरूरतमंद किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में कार्रवाई करे।


HONDA
The Honda Joy Fest
इस त्योहार, घर आये हौंडा - घर आएं खुशी
कैशबैक ₹10000* तक
न्यूनतम ROI @5.99%*
लोन 100%* तक
लोन अवधि 60* महीने
नो हायपोथिकेशन*
एक्स-शोरूम प्राइस ₹70446
कैश डिस्काउंट ₹60446^
₹10000/- का कैश डिस्काउंट
Shine 100 DX
दंतेश्वरी होंडा
मेन रोड, पुराना बस स्टैण्ड के पास, कोण्डागांव
Sales: 8517909999, 9294566660, 8770249067, 8269567500

खबर संक्षेप

विभागीय टीईटी परीक्षा कंप्यूटर आधारित कराने का विरोध

गीदम। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 2 आदेश जारी किए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, जिसमें सेवारत शासकीय शिक्षक शामिल होंगे तथा छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल द्वारा सामान्य शिक्षक पात्रता परीक्षा के आयोजन की बात कही गई है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से 21 अक्टूबर को लोक शिक्षण संचालनालय, रायपुर को निर्देशित किया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय में पारित निर्णय के अनुसार कक्षा 1 से 8 तक के ऐसे समस्त सेवारत शिक्षक, जिनकी सेवा अवधि 5 वर्ष से अधिक शेष है, उन्हें सेवा में बने रहने या पदोन्नति हेतु संबंधित स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। विभागीय स्तर पर गैर-टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 2 बार शिक्षक पात्रता परीक्षा तकनीकी सेवा प्रदाता कंपनी के माध्यम से कंप्यूटर आधारित परीक्षा पद्धति द्वारा 1 से अधिक पालियों में आयोजित करने की बात कही गई है। शालेय शिक्षक संघ, जिला इकाई दंतेवाड़ा के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र ने कहा कि अगस्त 2026 में छत्तीसगढ़ संघर्ष मोर्चा के बैनर तले नियमित शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त रखने अथवा शासन द्वारा उचित समाधान निकालने की मांग को लेकर रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा गया था।

हैंडबॉल स्पर्धा में दिलीप का चयन



लोहंडीगुड़ा। पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, लोहंडीगुड़ा के छात्र दिलीप मंडावी का चयन 70वीं राष्ट्रीय शालेय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी के रूप में हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 27 से 31 अक्टूबर तक मध्यप्रदेश के उमरिया में किया जाएगा।

खरीफ धान खरीदी पर रहेगी सख्त निगरानी, बस्तर संभाग में बनेंगे 63 चेक पोस्ट

सीमावर्ती राज्यों से धान लाकर बेचने और कोचियों-बिचौलियों की गतिविधियों पर लगेगी रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर



खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध धान की आवक रोकने के लिए मंडी विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है।

बस्तर संभाग के छह जिलों में 63 चेक पोस्ट स्थापित किए जाएंगे। इनके माध्यम से सीमावर्ती राज्यों से धान के अवैध परिवहन तथा कोचियों और बिचौलियों द्वारा खरीदी केंद्रों में धान खपाने की कोशिशों पर निगरानी रखी जाएगी।

राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि धान खरीदी अवधि के दौरान दूसरे राज्यों से धान लाकर प्रदेश के खरीदी केंद्रों में बेचने की आशंका बनी रहती है। कुछ अवांछित व्यक्ति दूसरे राज्यों से धान लाकर पंजीकृत किसानों के नाम पर दर्ज रकबे में खपाने का प्रयास कर सकते हैं। इससे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका रहती है।

उन्होंने बताया कि केवल सीमावर्ती क्षेत्रों से होने वाले अवैध परिवहन ही नहीं, बल्कि गांवों और शहरी इलाकों में सक्रिय कोचियों एवं बिचौलियों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जाएगी। इनके द्वारा किसानों से छोटी-छोटी मात्रा में धान खरीदकर समितियों में पंजीकृत किसानों के रकबे के माध्यम से बेचने की कोशिश की जा सकती है। ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चेक पोस्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

कोंडागांव में सबसे ज्यादा 21 चेक पोस्ट

चेक पोस्ट स्थापना के लिए जिलावार संख्या निर्धारित की गई है। इसमें कोंडागांव जिले में सर्वाधिक 21 चेक पोस्ट बनाए जाएंगे। इसके अलावा कांकेर में 13, सुकमा में 12, बस्तर में 7, दंतेवाड़ा में 6 और बीजापुर जिले में 4 चेक पोस्ट स्थापित किए जाएंगे। इस व्यवस्था के जरिए संभाग के अलग-अलग क्षेत्रों में कृषि उपज के परिवहन पर निगरानी रखी जाएगी।

11 मंडी सचिवों को दिए गए निर्देश

संयुक्त संचालक श्री सिंह के अनुसार मंडी विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य अधिसूचित कृषि उपज के अवैध परिवहन पर रोक लगाना और मंडी अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना है। इसके लिए संभाग के 11 कृषि उपज मंडी सचिवों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। विभाग का प्रयास है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान केवल पात्र किसानों का धान नियमानुसार खरीदी केंद्रों तक पहुंचे और बाहरी धान की अवैध बिक्री की संभावना को रोका जा सके।

पहले चरण में तहसीलों में किया था धरना प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

4 सूत्रीय मांग मनवाने कोटवार संघ ने कृषि उपज मंडी में किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर





कोटवार संघ के प्रांतीय आव्हान पर शुक्रवार को जिले के कोटवारों ने चार सूत्रीय मांग को लेकर मंडी प्रागंण में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद कोटवारों ने कलेक्ट्रोरेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

- राजस्व विभाग में संविलियन व 15 हजार पारिश्रमिक देने की मांग

कोटवार संघ द्वारा पुरानी कृषि उपज मंडी प्रांगण में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कोटवारों ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया और कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांगों पर जल्द कार्रवाई की अपील की।

कोटवार संघ के जिला अध्यक्ष धरमदास कश्यप ने बताया कि बहुप्रतिक्षित मागों को लेकर इससे पूर्व 3 जुलाई 2026 को प्रदेश की सभी तहसीलों में धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया था। बावजूद अब तक मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसी के चलते आंदोलन के दूसरे चरण में जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया गया। चार सूत्रीय मांगों में कोटवारों को नियमित कर राजस्व विभाग में संविलियन करने, महंगाई के अनुरूप मासिक पारिश्रमिक बढ़ाकर 15 हजार रुपये करने, कोटवार पद पर वंशानुगत नियुक्ति की व्यवस्था बहाल करने तथा नगर पालिका निगम क्षेत्र में नियुक्ति पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की गई है।

संघ ने शासन से चारों मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द निर्णय लेने की अपील की है। संघ के अनुसार इन मांगों के पूरा होने से प्रदेश के लगभग 16 हजार कोटवार परिवारों को राहत मिल सकती है। धरना-प्रदर्शन के दौरान कोटवार एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कोटवार उपस्थित रहे।

दीपावली के बाद उग्र प्रदर्शन की दी चेतावनी

कोटवार संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि दूसरे चरण के प्रदर्शन के बाद भी मांग पूरी नहीं होने पर तीसरे चरण में उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष धरमदास ने बताया कि दीपावली तक मांग पूरी नहीं होने पर दीपावली के तत्काल बाद तृतीय चरण में कोटवार प्रदर्शन के लिए बाध्य होगें जिसकी समुचित जवाबदारी प्रशासन पर होगी।

नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में जावंगा महाविद्यालय के दो खिलाड़ियों का चयन



हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

वीरांगना मासक देवी नाग शासकीय आदर्श महाविद्यालय जावंगा गीदम के 2 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों सुनील एवं सुरेश का राष्ट्रीय स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मिली इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

विश्वविद्यालय स्तरीय वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन एडमस विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में किया गया था। इस प्रतियोगिता में जावंगा महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन, समर्पण और खेल कौशल का परिचय दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा के मार्गदर्शन तथा क्रीड़ा प्रभारी सुशांत ठाकुर एवं सह-क्रीड़ा प्रभारी हरि शंकर साहू और डॉ. प्रवीण नेताम के नेतृत्व में खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन मिला। अपने उत्कृष्ट खेल के दम पर सुनील एवं सुरेश ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, धैर्य और सामूहिक रूप से कार्य करने की भावना विकसित होती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय एवं दंतेवाड़ा जिले का नाम रोशन करेंगे। महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर एनएसएस प्रभारी सुरेन्द्र कुमार माहला, सहायक प्राध्यापक सुरेश कुमार यादव, संतोष लाटकर, प्रतिमा हिरकने, पल्लवी भारती, संजय सेवता एवं प्रज्ञा सहित समस्त प्राध्यापकों व कर्मचारियों ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।दोनों खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन महाविद्यालय में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

कोंटा को मिला शव वाहन

भाजयुमो मंडल अध्यक्ष की पहल लाई रंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा/कोंटा



कोंटा विकासखंड के विशाल भौगोलिक क्षेत्र और बड़ी आबादी को देखते हुए लंबे समय से महसूस की जा रही शव वाहन की आवश्यकता अब पूरी हो गई है। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष की पहल और जनहित के प्रति सक्रियता से कोंटा क्षेत्र को समर्पित शव वाहन उपलब्ध हो गया है। इससे क्षेत्र के जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इस पहल को स्थानीय स्तर पर जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

- प्रभारी मंत्री और कलेक्टर के प्रयासों से पूरी हुई मांग

सम्मानजनक सहायता प्रदान करने होगा सहायक

दरअसल, कोंटा विकासखंड का भौगोलिक विस्तार काफी बड़ा है। दूरस्थ गांवों में रहने वाले लोगों को किसी परिजन की मृत्यु होने पर पार्थिव शरीर को घर तक ले जाने अथवा अंतिम संस्कार के लिए परिवहन की व्यवस्था करने में कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए निजी वाहन की व्यवस्था करना भी आसान नहीं होता। ऐसे में शव वाहन की उपलब्धता केवल परिवहन सुविधा नहीं, बल्कि दुख की घड़ी में जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक सहायता प्रदान करने से जुड़ा विषय है।

बीएमओ की जानकारी के बाद उठाया कदम

कोंटा बीएमओ चंद्राकर ने क्षेत्र में शव वाहन की आवश्यकता से भाजयुमो मंडल अध्यक्ष को अवगत कराया था। समस्या की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने इस मांग को संबंधित जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से रखा। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के सामने कोंटा क्षेत्र के लिए समर्पित शव वाहन उपलब्ध कराने की मांग रखी। मांग पर प्रभारी मंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सुकमा कलेक्टर अमित कुमार को इस विषय से अवगत कराया।

इसके बाद प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक पहल हुई और कोंटा क्षेत्र के लिए शव वाहन उपलब्ध हो गया। इस तरह स्वास्थ्य विभाग से सामने आई आवश्यकता को जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने और उसके समाधान के लिए प्रयास करने में भाजयुमो मंडल अध्यक्ष की भूमिका अहम रही।

जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में पहल

शव वाहन की उपलब्धता से कोंटा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवश्यकता के समय सुविधा मिलने का रास्ता खुला है। खासकर दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है। हालांकि, इस सुविधा का वास्तविक लाभ सुनिश्चित करने के लिए वाहन का नियमित संचालन, समय पर उपलब्धता और जरूरतमंदों तक इसकी जानकारी पहुंचाना भी जरूरी होगा।

मंत्री केदार कश्यप का जताया आभार

भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने इस पहल के लिए प्रभारी मंत्री और कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कोंटा बीएमओ द्वारा बताई गई समस्या को गंभीरता से लेते हुए मांग को आगे बढ़ाया गया और सभी के प्रयासों से क्षेत्र को शव वाहन मिल सका।

उन्होंने जनहित से जुड़े विषयों पर आगे भी सक्रिय रहकर लोगों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई। कोंटा को शव वाहन मिलना इस बात का उदाहरण है कि स्थानीय जरूरतों को समय पर सामने लाकर और जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन के समन्वित प्रयासों से महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

सीआरपीएफ ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंटा



कोण्टा ब्लॉक मुख्यालय में मौजूद डीआईजी परिचालन रेंज के अंतर्गत 217वीं वाहिनी मुख्यालय प्रांगण में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया। कमांडेंट विजय शंकर ने सर्वप्रथम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं पुलिस स्मृति दिवस के विशिष्ट महत्व के संबंध में अवगत कराया। उन्होंने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की एकता एवं अखंडता को कायम रखने के लिए बल के जवानों ने विभिन्न अवसरों पर अपना सर्वस्व बलिदान किया है।

21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स दुर्गम क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक छोटी-सी टुकड़ी के 21 जवानों ने पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान चीनी सैनिकों के साथ लड़ते हुए अदम्य साहस एवं पराक्रम की अभूतपूर्व मिसाल पेश की और चीनी टुकड़ी को पीछे हटने पर विवश कर दिया। इस घटना में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 रणबांकुरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनके सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में आज के दिन को पूरे देश के पुलिस बलों द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।इसके पश्चात विभिन्न सुरक्षा बलों एवं राज्य पुलिस में विगत एक वर्ष में शहीद हुए 154 जवानों के नाम पढ़कर सुनाए गए एवं शहीद स्थल पर शहीदों को सम्मान देते हुए पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद गार्ड ने शहीदों को सलामी दी एवं सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने 2 मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वीरेंद्र कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, विजय कुमार, उप कमांडेंट,धर्मेंद्र कुमार राय, सहायक कमांडेंट के साथ-साथ वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।





विधि-विधान से दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मद्देड़



बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मद्देड़ में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर दुर्गा उत्सव समिति एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में नौ दिनों तक चला दुर्गा उत्सव संपन्न हुआ। नवरात्र के दौरान पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान, जसगीत, रामधुनी और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पूरा गांव भक्तिमय रहा। दसवें दिन दुर्गा की प्रतिमा का विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। नौ दिनों तक चले इस उत्सव में श्रद्धालुओं ने आराधना कर परिवार एवं गांव की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर गांव में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें महिला, पुरुष, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में विदाई देने के लिए नाचते-गाते और डीजे की धुन पर शोभायात्रा के साथ चले। इसके पश्चात गांव के तालाब में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान आस-पास के गांवों के ग्रामीणों की भी भारी उपस्थिति रही। विदाई के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। दुर्गा उत्सव समितियों के अध्यक्षों और सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस बड़े आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। समितियों ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस धार्मिक आयोजन के समापन ने गांव में धार्मिक आस्था, आपसी सहयोग और सामाजिक एकता की भावना को और मजबूत किया है।